पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

कबीर शांति मिशन का रजत जयंती समारोह

सकारात्मक सोच के तहत लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष में रहकर भी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है - राज्यपाल

लखनऊः 19 अप्रैल, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज कबीर शांति मिशन स्थापना के रजत जयंती समारोह में कहा कि सफल जनतंत्र में विकास और सकारात्मक सोच का बहुत महत्व है। सकारात्मक सोच को व्यवहार में लाने की जरूरत है। समाधान प्राप्त करने का एक दृष्टिकोण होता है। साफ मन से सकारात्मक कार्य करने से जहाँ दूसरे को आनन्द मिलता है वहीं स्वयं को भी आत्मसंतोष प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि सकारात्क सोच के तहत लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष में रहकर भी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

श्री नाईक ने बताया कि देश 1947 में आजाद हुआ और 1950 में देश में संविधान लागू किया गया। आजादी से लेकर 1992 तक संसद में राष्ट्रगान व वंदे मातरम् नहीं गाया जाता था। विपक्ष में रहते हुए उनके सार्थक प्रयास से यह संभव हुआ। उन्होंने सकारात्मक सोच और आत्मसंतोष की बात करते हुए बताया कि पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए उन्होंने गैस कनेक्शन की लम्बी प्रतीक्षा सूची को समाप्त किया तथा उसके साथ-साथ साढे तीन करोड़ नये कनेक्शन दिये। इस प्रयास के पीछे सकारात्मक सोच थी कि रसोई में खाना बनाने वाली महिलाओं की असुविधा को कैसे कम किया जा सकता है। कबीर शांति मिशन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्था संत कबीर के नाम से जुड़ी है तथा उसकी भूमिका और प्रयास सराहनीय हैं।

राज्यपाल आज सिटी मान्टेसरी स्कूल, गोमती नगर में आयोजित समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। राज्यपाल ने समारोह में अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिये डाॅ0 कल्बे सादिक, डाॅ0 एस0के0 कुमार, डाॅ0 रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, श्रीमती सीता रानी अग्रवाल, न्यायमूर्ति डी0के0 त्रिवेदी, डाॅ0 डी0पी0 माथुर, डाॅ0 योगेश प्रवीन, श्री एस0एस0एल0 श्रीवास्तव व श्री जगदीश गांधी को 'कबीर दीप' सम्मान से अलंकृत किया। इस अवसर पर श्री प्रभात कुमार, पूर्व कैबिनेट सचिव, कबीर शांति मिशन के अध्यक्ष, श्री कृष्ण बिहारी अग्रवाल, न्यायमूर्ति एस0सी0 वर्मा (अवकाश प्राप्त), अध्यक्ष लखनऊ केन्द्र तथा श्री आर0के0 मित्तल, संयोजक, कबीर शांति मिशन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समाज में लोग अलग-अलग प्रकार से अपनी सेवायें प्रदान करते हैं। अच्छे काम को बढ़ाना चाहिए तथा बुराई को समाप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही जीवन का आनन्द है।

श्री नाईक ने कहा कि संसद के सेन्ट्रल हाल में संस्कृत का एक श्लोक लिखा है जिसका अर्थ है, उदार मन वाले पूरे विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की दृष्टि से देखते हैं। संसद और विधान सभाओं में सकारात्मक चर्चा न होने तथा गिरती हुई लोकतांत्रिक परम्पराओं पर उन्होंने चिंता व्यक्त की।

श्री प्रभात कुमार, पूर्व कैबिनेट सचिव ने कबीर शांति मिशन की सराहना करते हुए कहा कि देश, समाज और व्यक्ति के उत्थान के लिए मिशन प्रयासरत है। सुशासन के लिये सकारात्मक चिन्तन की जरूरत है। सुशासन का तर्क जनता के कल्याण के अलावा कुछ नहीं हो सकता। ऐसी व्यवस्था हो जिसका प्रभाव कार्यसंस्कृति व मनोवृत्ति पर पडे। उन्होंने कहा कि अनैतिक आचरण और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए नैतिक संहिता की जरूरत है।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति एस0सी0 वर्मा (अवकाश प्राप्त) ने स्वागत उद्‌बोधन दिया तथा संयोजक, श्री आर0के0 मित्तल ने मिशन की संक्षिप्त पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। समारोह में कबीर शांति मिशन की पत्रिका के विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया।

माननीय श्री राम नाईक
(राज्यपाल उ. प्र.)
श्री प्रभात कुमार
(पूर्व केबिनेट सचिव भारत सरकार)

श्री एस. सी. वर्मा
माननीय श्री राम नाईक
(राज्यपाल उ. प्र.)
श्री प्रभात कुमार
(पूर्व केबिनेट सचिव भारत सरकार)

कबीर शांति मिशन
जत जयन्ती समारोह एवं
स्वस्थ चिंतन एवं प्रसन्नता
विषय पर चर्चा '
स्थानः सिटी मोन्टेसरी स्कूल
विशाल खण्ड गोमती नगर
लखनऊ
दिनांक 19 अप्रैल, 2015
समयः सांय 4:30 से रात्रि 9:00 बजे तक